श्री शि्वराजसिंह चौहान (वि्दि्शा) : माननी्य अध्यक्ष महोद्य, मैं आपके माध्यम ्से ्सरकार का ध्यान एक महत्वपूर्ण मामले की ओर आकर्िति करना चाहता हूं.। पाकि्स्तान ने ्भारती्य ्शहरों और ्सैन्य ठिकानों को नि्शाना ्बनाने में ्सक्षम दर्जनों परमाणु प्रक्षेपा्स्त्रों के लिए आधार का्र्य पूरा कर लि्या है। ्यह जानकारी कल के अख्बारों में वि्स्तार ्से छपी है और फैडरे्शन ऑफ अमेरीकन ्साइंटि्स्ट्स ने पाकि्स्तान के परमाणु प्रक्षेपा्स्त्र ठिकानों के उपग्रह चित्रों के आधार पर ्यह जानकारी दी है। मैं मानता हूं कि रा्ट्र की ्सुरक्षा के लिए ्यह ्सरकार पूरी तरह गंभीर है। लेकिन हम अपनी ्सुरक्षा के लिए पूरी तरह ्से चिंतित है और हमने अपने दे्श की रक्षा की पूरी व्य्व्स्था की है, ्सरकार को ्यह आ्श्वा्सन दे्श को देना चाहिए। ऐ्से ्सम्य ज्ब अमरीका के रा्ट्रपति श्री ्बिल क्लिंटन ्भारत की ्यात्रा करने ्वाले हैं, हमें उन पर ्यह द्बा्व डालना चाहिए कि पाकि्स्तान क्श्मीर में आतंक्वादि्यों के माध्यम ्से ्भारत को तोड़ने का प्र्यत्न कर रहा है, इ्सलिए पाकि्स्तान को एक आतंक्वादी रा्ट्र घो्ति करने की दि्शा में ्वह कदम उठा्यें। अमरीकी वि्दे्श नीति के वि्शे्ाज्ञों ने श्री क्लिंटन ्से ्यह ्साफ-्साफ कहा है कि ्वह इ्स ्बारे में पाकि्स्तान को ्साफ-्साफ ्बता दे। इ्सलिए ्भारत ्सरकार को इ्स ्बारे में पहल करनी चाहिए। ्यही मेरा आपके माध्यम ्से नि्वेदन है।